एकतरफा अनुबंध व्यवस्था क्या थी ?

एकतरफा अनुबंध व्यवस्था, वैसी व्यवस्था थी जिसमे बंधुआ मजदूरों को कोई अधिकार नहीं था। जबकि मालिक को असीमित अधिकार प्राप्त थे।

बाओदायी कौन था ?

बओदायी पूर्व में अन्नाम का शासक था, बाद में फ्रांस के समर्थन से दक्षिणी वियतनाम का शासक बना।

हिन्द चीन का क्या अर्थ है ?

हिन्द-चीन का अर्थ उस प्रायद्वीपीय क्षेत्र से है जिसके अंतर्गत लाओस, कम्बोडिया और वियतनाम आते हैं।

जेनेवा समझौता कब और किनके बीच हुआ ?

जेनेवा समझौता 1954 ई. उत्तरी वियतनाम और दक्षिणी वियतनाम के बिच हुआ था।

होआ - होआ आन्दोलन की चर्चा करें।

होआ-होआ आन्दोलन बौद्ध धर्म से सम्बंधित आन्दोलन था जिसके नेता हुइन्ह फू-सो था। यह आन्दोलन एक क्रांतिकारी आन्दोलन था, जो 1939 में शुरू हुआ था।

हिन्द चीन में फ्रांसीसी प्रसार का वर्णन कीजिए।

17वीं शताब्दी तक बड़ी संख्या में व्यापारियों के साथ ईसाई पादरी भी हिन्द चीन पहुँचने लगे। 1862 ई. में फ्रांस अपने सैन्य बल से अन्नाम पर अधिकार कर लिया और 1863 ई. में कम्बोडिया के साथ-साथ तोंकिन पर भी अपना अधिकार कर लिया इसी तरह 20वीं शताब्दी के आरंभ तक सम्पूर्ण हिन्द-चीन फ्रांस के अधीन हो गया।

रासायनिक हथियारों तथा एजेंट ऑरेंज का वर्णन कीजिए।

रासायनिक हथियारों तथा एजेंट ऑरेंज का उपयोग अमेरिका द्वारा 1964 में वियतनाम के विरुद्ध किया गया था।

- **रासायनिक हथियार** - 'नापाम' एक तरह का आर्गेनिक कम्पाउंड है जो अग्नि बमों में गैसोलिन के साथ मिलकर एक ऐसा मिश्रण तैयार करता था जो त्वचा से चिपक कर जलता रहता था। इसका व्यापक पैमाने पर वियतनाम में प्रयोग किया गया था।

- **एजेन्ट-आरेंज** - यह एक ऐसा जहर था जिससे पेड़ों की पत्तियाँ तुरंत झुलस जाती थी एवं पेड़ मर जाता था। अमेरिका ने इसका इस्तेमाल जंगलों के साथ खेतों और आबादी दोनों पर जमकर किया। इस जहर के असर से अगली पीढ़ी बीमार पैदा होने लगी।

हो - ची - मिन्ह के विषय में एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

1917 ई. में हो-ची-मिन्ह नामक वियतनामी छात्र ने पेरिस में साम्यवादियों का एक गुट बनाया। बाद में वह शिक्षा प्राप्त करने मास्को गया और साम्यवाद से प्रेरित होकर 1925 में 'वियतनामी क्रांतिकारी दल' का गठन किया और अंततः 1930 में वियतनाम के बिखरे राष्ट्रवादी गुटों को एक जुट कर वियतनाम कम्युनिस्ट पार्टी (वियतनाम कांग सान देंग) की स्थापना की जो उग्र विचारवादी थी। जेनेवा समझौता के बाद उत्तरी वियतनाम में हो-ची-मिन्ह की सरकार बनी।

हो - ची - मिन्ह मार्ग क्या है ? संक्षेप में बताइए।

हो-ची-मिन्ह मार्ग हनोई से चलकर लाओस,कम्बोडिया के सीमा क्षेत्र से गुजरता हुआ दक्षिणी वियतनाम तक जाता था, जिससे अनेक कच्ची-पक्की सड़के निकलकर जुड़ी थी। अमेरिका कई बार इसे क्षतिग्रस्त कर चूका था, परन्तु वियतनामी उसे तुरंत मरम्मत कर लेते थे। इस मार्ग पर नियंत्रण करने के उदेश्य से अमेरिका, लाओस और कम्बोडिया पर आक्रमण कर दिया था, परन्तु तीन तरफा संघर्ष में फंसकर उसे वापस होना पड़ा था।

अमेरिका हिन्द चीन में कैसे घुसा ? चर्चा करें।

अमेरिका हिन्द-चीन में फ्रांस को समर्थन देने के बहाने घुसा और धीरे-धीरे साम्यवादियों के विरोध में हस्तक्षेप की नीति अपनानी शुरू कर दी। इन्ही परिस्थितियों में जेनेवा समझौता हुआ जिसके अंतर्गत पूरा वियतनाम दो भागो बंट गया- उत्तरी और दक्षिणी वियतनाम। उत्तरी वियतनाम में साम्यवाद समर्थित सरकार बनी जबकि दक्षिणी वियतनाम में अमेरिका समर्थित सरकार बाओदायी के नेतृत्व में बनी।

'हिन्द चीन' में उपनिवेश स्थापना का उद्देश्य क्या था?

फ्रांस द्वारा हिन्द-चीन उपनिवेश स्थापना का निम्नलिखित उदेश्य था –

• **व्यापारिक प्रतिस्पर्द्धा -** फ्रांस को भारत एवं चीन में स्थित डच एवं ब्रिटिश कंपनियों से व्यापारिक प्रतिस्पर्द्धा के लिए हिन्द-चीन क्षेत्र उचित लगा जहाँ से वे दोनों जगहों को संभाल सकते थे।

• **कच्चे माल की आपूर्ति -** वियतनाम एक कृषि प्रधान देश था तथा उसके चीन से सटे राज्यों में खनिज संसाधन (कोयला, टीन, जस्ता आदि) उपलब्ध था जिसका उपयोग फ्रांसीसी अपने उद्योगों में करना चाहते थे।

• **असभ्य लोगों को सभ्य बनाना -** फ्रांस द्वारा हिन्द-चीन में यूरोपीय सभ्यता का प्रचार-प्रसार कर वहां के लोगों को सभ्य बनाना था।

'माई ली' गाँव की घटना क्या थी? इसका क्या प्रभाव पड़ा?

दक्षिणी वियतनाम में माई-ली नामक गाँव था। जहाँ के लोगों पर वियतकांग समर्थक होने के शक को लेकर अमेरिकी सेना ने पूरे गाँव को घेर कर पुरुषों को मार दिया तथा औरतों एवं लड़कियों को बंधक बनाकर कई दिनों तक सामूहिक बलात्कार किया फिर उन्हें भी मारकर पूरे गाँव में आग लगा दिया। लाशों के बीच दबा एक बूढ़ा जिन्दा बच गया था जिसने इस घटना को पूरे विश्व के सामने उजागर किया था।

जिसका प्रभाव यह हुआ की पूरे विश्व में अमेरिकी सेना की आलोचना होने लगी। अन्य देशों को कौन कहे, स्वयं अमेरिका में अमेरिकी सैनिकों की थू - थू होने लगी। अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन की काफी बदनामी हुई। अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ गया जिसके कारण राष्ट्रपति निक्सन ने शांति स्थापित करने के लिए पाँच सूत्री योजना की घोषणा की। जो इस प्रकार था -

- हिन्द चीन की सभी सेनाएँ युद्ध बन्द कर यथा स्थान पर टिकी रहे।
- युद्ध विराम की देख - रेख अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षक करेंगे।
- इस दौरान कोई देश शक्ति बढ़ाने का प्रयास नहीं करेगा।
- युद्ध विराम के दौरान सभी तरह की लड़ाईयाँ बंद रहेंगी।
- युद्ध विराम का लक्ष्य समूचे हिन्द चीन में संघर्ष का अंत होना चाहिए।

राष्ट्रपति निक्सन के हिन्द चीन में शांति के सम्बंध में पाँच सूत्री योजना क्या थी ? इसका क्या प्रभाव पड़ा ?

हिन्द चीन में शांति के सम्बंध में राष्ट्रपति निक्सन की पाँच सूत्री योजना निम्नलिखित थी –

• हिन्द चीन की सभी सेनाएँ युद्ध बन्द कर यथा स्थान पर टिकी रहे।

• युद्ध विराम की देख - रेख अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षक करेंगे।

• इस दौरान कोई देश शक्ति बढ़ाने का प्रयास नहीं करेगा।

• युद्ध विराम के दौरान सभी तरह की लड़ाईयाँ बंद रहेंगी।

• युद्ध विराम का लक्ष्य समूचे हिन्द चीन में संघर्ष का अंत होना चाहिए।

निक्सन के इस शांति प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया। अमेरिकी सेना ने पुनः बमबारी शुरू कर दी। 24 अक्टूबर 1972 ई. को वियतकांग, उत्तरी वियतनाम, अमेरिका एवं दक्षिणी वियतनाम में समझौता तय हो गया लेकिन दक्षिणी वियतनाम ने आपत्ति जतायी और पुनः वार्ता के लिए आग्रह किया लेकिन वियतकांग ने इसे अस्वीकार कर दिया। वार्ता बंद होने के बाद अमेरिकी सेना ने उत्तरी वियतनाम पर, हिरोशिमा पर गिराए गए बम से भी ज्यादा बम गिराएँ जिससे पूरा वियतनाम ध्वस्त हो गया लेकिन वियतनामी डटे रहे। अन्ततः 27 फरवरी 1973 ई. को पेरिस में वियतनाम युद्ध की समाप्ति के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते को मुख्य बातें थीं कि युद्ध समाप्ति के 60 दिनों के अंदर अमेरिकी सेना वापस हो जाएगी। उत्तर और दक्षिण वियतनाम परस्पर सलाह कर एकीकरण का मार्ग खोजेंगे। अमेरिका वियतनाम को आर्थिक सहायता देगा।

इस प्रकार से अमेरिका के साथ चला आ रहा युद्ध समाप्त हो गया एवं 30 अप्रैल 1975 में उत्तरी एवं दक्षिणी वियतनाम का एकीकरण हो गया।

फ्रांसीसी शोषण के साथ - साथ उसके द्वारा किये गये सकारात्मक कार्यों की समीक्षा कीजिए।

फ्रांसीसियों ने प्रारंभिक शोषण व्यापारिक नगरों एवं बंदरगाहों से शुरु किया था। उसके बाद उन्होंने भीतरी ग्रामीण इलाकों में किसानों का शोषण आरम्भ किया। उन्होंने हिन्द चीन में शोषण तो किया लेकिन कुछ विकासात्मक जैसे सकारात्मक काम भी किये। उन्होंने सर्वप्रथम कृषि उपज बढ़ाने की ओर ध्यान दिया इसके लिए उन्होंने नहरों का विकास किया ताकि सिंचाई की सुविधा बढ़े। जंगल क्षेत्रों, निम्न भूमि, जहाँ सालों भर पानी भरा रहता था और जमीन दलदली हो गई थी, को खेती के योग्य बनाया। परिणामस्वरूप 1931 तक वियतनाम विश्व का तीसरा बडा चावल निर्यातक देश बन गया। रबड़ बागानों, फार्मों, खानों में मजदूर से एकतरफा अनुबंध व्यवस्था थी। लेकिन उपज बढ़ने से देश में खुशहाली भी बढ़ी। पूरे उत्तर से दक्षिणी हिन्द-चीन तक विशाल रेल नेटवर्क एवं सड़क का जाल बिछाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में भी फ्रांसीसियों ने हिन्द चीन में कुछ काम किया। परम्परागत स्थानीय भाषा के साथ चीनी भाषा की शिक्षा भी दी जा रही थी।

हिन्द चीन में राष्ट्रवाद के विकास का वर्णन करें।

हिन्द-चीन में फ्रांसीसी उपनिवेशवाद को समय-समय पर विद्रोहों का सामना करना पड़ता था।

20 वीं शताब्दी के शुरुआत में राष्ट्रवाद की भावना उत्पन्न होने लगी। फान-बोई-चाऊ के द्वारा "द हिस्ट्री ऑफ़ द लॉस ऑफ वियतनाम" की रचना, जापान द्वारा रूस को हराना, रूसो, मांटेस्क्यू एवं फान-चू-त्रिन्ह के विचार, सनयात सेन के नेतृत्व में चीन में सत्ता परिवर्तन आदि हिन्द-चीनियों के प्रेरणास्त्रोत बन गया। प्रथम विश्व युद्ध में इन प्रदेशों से हजारों लोगों को सेना में भरती किया गया तथा युद्ध की प्रथम पंक्ति में रखा गया जिससे मरने वालो में इनकी संख्या ज्यादा होती थी। इन सब बातों का प्रभाव हिन्द-चीन लोगों पर पड़ा। 1930 के मंदी में चावल, रबड़ आदि के दाम गिर गए जिसके कारण बेरोजगारी बढ़ गई। जनता की हालत दयनीय होती जा रही थी। इस स्थिति से परेशान किसान साम्यवाद को अपना रहे थे और राष्ट्रवाद आन्दोलन जोर पकड़ता जा रहा था। 1930 ई. में हो-ची-मिन्ह ने बिखरे राष्ट्रवादी गुटों को एकजुट कर वियतनाम कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की। फ्रांसीसी सरकार का रुख काफी तीव्र एवं क्रूर होता जा रहा था, जिसमे हजारों लोग मारें गए। इस प्रकार की स्थिति से हिन्द-चीन में राष्ट्रवाद की भावना पनपने लगी।